Edit with WPS Office

पाठ - 8

परिश्रमी बनो

विधा - कहानी

शब्दार्थ **कॉपी कार्य**

विपत्ति - संकट

दरिद्रता - गरीबी

लज्जित शर्मिंदा

क्षमा - माफ़ी

गोशाला - गायो के रहने का स्थान

उजले - सफ़ेद

स्वयं - अपने आप

परिश्रमी - मेहनती

व्याख्यान - प्रस्तुत पाठ में एक रोचक कहानी के माध्यम से रामदास के मित्र श्यामलाल ने रामदास की परिश्रमी बना दिया। आज हमलोग यह रोचक कहानी है।

सोचो और बताओ **कॉपी कार्य**

(क)रामदास कौन था?

(उ.)रामदास एक धनी किसान था।

(ख)रामदास की विपत्ति देखकर कौन दुखी हुआ?

(उ.)रामदास की विपत्ति देखकर उसका मित्र श्यामलाल दुखी हुआ।

(ग)किसके पंख सदा उजले होते हैं?

(उ.)परिश्रम के पंख सदा उजले होते हैं।

(घ)सफ़ेद हंस क्या है?

(उ.) परिश्रम करना ही सफ़ेद हंस हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो **कापी कार्य**

(क)रामदास अपने सब काम किस पर छोड़ता था?

(उ.)रामदास अपने सब काम नौकरों पर छोड़ता था।

Edit with WPS Office

(ख)श्यामलाल ने रामदास की भलाई के लिए क्या कहा?

(उ.)श्यामलाल ने रामदास से कहा कि सब पक्षियों के जगाने से पहले मानसरोवर में रहने वाला एक सफ़ेद हंस धरती पर आता है किंतु दिन चढ़ने पर दोपहर में वह लौट जाता है। यह तो पता नहीं कि वह कब और किस दिन आएगा किंतु जो भी एक बार उसका दर्शन कर लेगा, उसको कभी भी किसी बात की कमी नहीं रहेगी।

(ग)गोशाले का रखवाला क्या कर रहा था?

(उ.)गोशाले का रखवाला गाय का दूध दुहकर अपनी पत्नी को दे रहा था।

(घ)हानि कौन उठाता है?

(उ.)जो व्यक्ति परिश्रम न करके अपना काम नौकरों पर छोड़ देता है, वह हानि उठाता है।

(ङ)जीवन में सफलता के लिए क्या करना चाहिए?

(उ.) जीवन में सफलता के लिए परिश्रम करना चाहिए अपना काम स्वयं करना चाहिए और यदि कुछ कामों के लिए नौकरों की नियुक्ति की है तो उसकी देखभाल नियमपूर्वक स्वयं करनी चाहिए। ऐसा परिश्रमी व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करता है।